२४ जून जगदम्बा माँ सरस्वती स्मृति दिवस

24 जुन यज्ञ माता जगदम्बा माँ सरस्वती स्मृति दिवस को घाटकोपर सबज़ोन सेवाकेंद्र में बहुत ही अव्यक्त वातावरण में पूरा दिन मनाया गया.

पुरे दिन में प्यारी मम्मा के निमित्त 3 बार भोग लगाया गया. मम्मा जी के इस स्मृति दिन का महत्त्व समझते हुए कई बी.के. भाई बहनों ने अपना जीते जी मरने का भोग परमपिता शिव बाबा को लगाने का तय किया. सभी को सन्मानित किया और श्रृंगारा गया.

मातेश्वरी के जीवन कहानी एवं विशेषता का टॉपिक लेकर शीघ्र वक्तृत्व की स्पर्धा बी. के. भाई बहनों की रखी गयी थी. जिसमें बहुतों ने बड़े उमंग उत्साह से भाग लिया.

पिताश्री ब्रह्मा बाबा और मातेश्वरी द्वारा राजयोगी जीवन जीने की प्रेरणा लेकर आज पुरे घाटकोपर ज़ोन को उनके समान प्यार पालना देनेवाली नलिनी दीदीजी अमृतवेले से विशेष मातेश्वरी की याद में भावविभोर हो गए थे, उसी स्नेह की बहती धारा में उन्होंने सभा में एक सुन्दर गीत प्रस्तुत किया और सारी सभा मम्मा के स्नेह में गद्गद हो गयी. कलाकारों ने माँ के गीत गाकर और भी रूहानी रंग जमाया. इसी बीच शकू दीदी ने बापदादा एवं मम्मा को भोग स्वीकार कराया.

जीते जी मरने का भोग लगानेवाले बी. के. भाई बहनें भी विशेष वरदान प्राप्त कर धन्य धन्य हो गए.

तत्पश्चात सभी ने विशेष कोमेन्ट्री से योग करते योगयुक्त होकर ब्रह्मा भोजन स्वीकार किया.

मम्मा के जीवन द्वारा क्या प्रेरणा या गुण उठाओ वो भी कईयों ने लिखकर उनको समर्पित किया.

शाम के सत्र में प्रश्नोत्तर रखा गया जिसमें मातेश्वरी के विषय में कुछ ऐसे प्रश्न पूछे गए जिससे सबके दिल दिमाग में उनकी याद और जानकारी छप जाए.

साथ ही साथ माँ सरस्वती से कृपा पाकर बी. के. भाई बहनों के बच्चे जो स्कूल, कॉलेज में विशेष मार्क्स लेकर उत्तीर्ण हुए उन्हें संस्था की ओर से मुबारक देते सौगात प्रदान की गयी.

सभी भाई बहनों को विशेष मुरली की शिक्षाएं सौगात के रूप में प्राप्त हुई.

नुम: शाम को तीसरी बार प्यारे मीठे बाबा, मम्मा को भोग स्वीकार कराया गया. सब ने उन्हीं यादों को साथ में लेकर प्रस्थान किया.